085/X/SA2/41/B1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

कक्षा - X

हिन्दी

(पाठ्यक्रम - ब)

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **12** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले उस प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क'

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के विकल्पों में से सही उत्तरवाले विकल्प चुनकर लिखिए।** **1x5=5**

इस समय तो कितनी ही 'महारानियाँ' हिंदी का गौरव बढ़ा रही हैं, पर उस समय एकमात्र 'सरस्वती' ही पत्रिकाओं की रानी नहीं पाठकों की सेविका थी। तब उसमें कुछ छापना या किसी के जीवन चरित्र आदि प्रकाशित करना ज़रा बड़ी बात समझी जाती थी। दशा ऐसी होने के कारण मुझे कभी-कभी बड़े-बड़े प्रलोभन दिए जाते थे। कोई कहता - ''मेरी मौसी का मरसिया छाप दो, मैं तुम्हें निहाल कर दूँगा। कोई लिखता - ''अमुक सभापति की ''स्पीच'' छाप दो, मैं तुम्हारे गले में बनारसी दुपट्टा डाल दूँगा।'' कोई आज्ञा देता - ''मेरे प्रभु का सचित्र जीवन-चरित्र निकाल दोगे तो तुम्हें एक बढ़ियाँ घड़ी या पैरगाड़ी नजर की जाएगी।'' इन प्रलोभनों पर मैं बहरा और गूँगा बन जाता और ''सरस्वती'' में वही मसाला जाने देता, जिससे मैं पाठकों का लाभ समझता। मैं उनकी रुचि का सदैव ख्याल रखता और यह देखता रहता कि मेरे किसी काम से उनको सत्पथ से विचलित होने का साधन न प्राप्त हो। संशोधन द्वारा लेखों की भाषा अधिसंख्यक पाठकों की समझ में आने लायक कर देता। यह न देखता कि शब्द अरबी का है या फ़ारसी का या तुर्की का। देखता सिर्फ यह कि इस शब्द, वाक्य या लेख का आशय अधिकांश पाठक समझ लेंगे या नहीं। अल्पज्ञ होकर भी किसी पर अपनी विद्वत्ता की झूठी छाप छापने की कोशिश मैंने कभी नहीं की।

(क) इस समय हिंदी का गौरव बढ़ाने वाली 'महारानियाँ' से तात्पर्य है- **1**

(i) हिंदी के समाचार पत्र

(ii) हिंदी प्रेमी महिलाएं

(iii) हिंदी की लेखिकाएँ

(iv) हिंदी की पत्रिकाएँ

(ख) सरस्वती में छपना गौरवशाली बात क्यों थी? **1**

(i) अच्छा पैसा मिलता था

(ii) प्रतिष्ठित पत्रिका थी

(iii) प्रलोभन दिए जाते थे

(iv) पैसे वालों की पत्रिका थी

(ग) लेखक का अपने आप को 'अल्पज्ञ' कहना सूचक है, उसकी - **1**

(i) विद्वता का

(ii) मूर्खता का

(iii) विनम्रता का

(iv) वास्तविकता का

(घ) 'सरस्वती' के संपादक के बारे में क्या सत्य नहीं है। **1**

(i) वह गूँगा-बहरा था

(ii) प्रलोभन स्वीकार नहीं करता था

(iii) पाठकों की रुचि का ध्यान रखता था

(iv) लेखों की भाषा में सुधार कर देता था।

(ङ) 'नज़र करना' मुहावरे का अर्थ है - **1**

(i) निगाह में रखना

(ii) आँख दिखाना

(iii) भेंट करना

(iv) ओझल होना

2. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए।** **1x5=5**

वरदासुंदरी अत्यंत संवेदनशील थी। उनमें भविष्य को जानने की क्षमता थी। हरींद्रनाथ एक समय की घटना बताते हैं, कि एक रात उन्होंने सोते हुए पति को जगाकर लालटेन लेकर मुर्गियों के दड़बे की ओर जाने को कहा, क्योंकि उन्होंने स्वप्न में एक मुर्गी को मरते देखा था। नींद में डूबे पति ने उन्हे डाँटा, पर उनके न मानने पर जाकर देखा तो सच में एक मुर्गी पत्थर पर मरी थी। उनमें कुछ अंधविश्वास भी थे, जैसे बढ़ते हुए दूज के चाँद के दिन वे सबसे पहले अपने छोटे बेटे हरींद्रनाथ का मुँह देखना चाहती थीं। उन्होंने अपने बच्चों को भगवान में विश्वास करना सिखाया था।

हरींद्रनाथ ने माता-पिता के विषय में लिखा कि ''हमारे माता-पिता ने हमें सब कुछ दिया था, जिससे हमें जीवन केवल इंद्रधनुषी और सुंदर लगता था।'' उन्होंने यह भी लिखा कि वे केवल साधारण मानव नहीं थे, बल्कि असाधारण आध्यात्मिक लोग थे, दो ऐसे सच्चे दैवी प्रकाश थे, जो जीवन के अंधेरे को आलोकित करते थे। जहाँ जाते थे, वहीं उजाला भर देते थे। जीवन की राह पर जिनसे मिलते थे, उन्हीं के जीवन में आशा और आशीर्वाद भर देते थे। वे जब तक इस संसार में रहे, तब तक सबके साथ अच्छे रहे। जब गए, तब सपनों की दुनिया का एक टुकड़ा छोड़ गए, जो सरोजिनी ने उनसे पाया। उन्होंने उसी के आस-पास इंद्रधनुषी आकृतियाँ बनाई। उनके सौंदर्य से अपने दुखी देश को सजाने-सँवारने का काम किया।

(क) कैसे कह सकते हैं की वरदासुंदरी में भविष्य को देखने की क्षमता थी? **1**

- (i) उनकी संवेदनशीलता से
- (ii) दूज के दिन वाले विश्वास से
- (iii) मुर्गी वाली घटना से
- (iv) उज्जवल भविष्य के सपने देखने से

(ख) मुर्गियों के घर को कहा जाता है - **1**

- (i) घोंसला
- (ii) कोटर
- (iii) थान
- (iv) दड़बा

(ग) दूज के दिन छोटे बेटे का मुख देखता है **1**

- (i) अंधविश्वास
- (ii) आत्मविश्वास
- (iii) वात्सल्य प्रेम
- (iv) मातृस्नेह

(घ) हरींद्रनाथ के माता-पिता के बारे में क्या सत्य नहीं है? **1**

- (i) आध्यात्मिकलोग थे
- (ii) सच्चे देवता स्वरूप थे
- (iii) जीवन के पथ को प्रकाशित करते थे
- (iv) आशीर्वाद देने में बड़े कृपण थे

(ङ) 'इंद्रधनुषी' का अर्थ है - **1**

- (i) वलयाकार
- (ii) बादलों जैसा
- (iii) विविध रंगों वाला
- (iv) चमकीला

3. **निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्प से उचित विकल्प छाँटकर लिखिए :** **1x5=5**

काले बादल जाति द्‌वेष के,
काले बादल विश्‍व क्लेश के,
काले बादल उठते पथ पर,
नए स्वतंत्रता के प्रवेश के।

सुनता आया हूँ , है देखा,
काले बादल में हँसती चाँदी की रेखा।

मुझे मृत्यु से भीति नहीं है,
पर अनीति से प्रीति नहीं है,
यह मनुजोचित रीति नहीं है
जन में प्रीति प्रतीति नहीं है।

देश जातियों का कब होगा,
नव मानवता में रे एका,
काले बादल में कल की,
सोने की रेखा!

(क) उपर्युक्त काव्यांश में 'काले बादल' किसे कहा गया है। **1**

(i) बरसने वाले काले मेघ को
(ii) विश्‍वयुद्‌ध से भय को
(iii) आतंकवाद के कष्टों को
(iv) समाज में फैले वैर-वैमनस्य को

(ख) काले बादलों के पीछे छिपी 'चाँदी रेखा' है - **1**

(i) बादलों में चमकने वाली बिजली
(ii) आशा की किरण
(iii) मनुष्य की दृढ़ इच्छाशक्ति
(iv) मृत्यु से न डरना

(ग) 'यह मनुजोचित रीति नहीं है' - किसे कहा है? **1**

(i) मृत्यु से डर
(ii) अनीति से प्रीति
(iii) लोगों में प्रेम विश्‍वास न होना
(iv) डर के काले बादल छाना

(घ) जातिगत विद्‌वेष के बादल किसके मार्गपर छाए हैं? **1**

(i) स्वतंत्रता के
(ii) हम सब के
(iii) अनीति के
(iv) मानवता के

(ङ) कविता का शीर्षक हो सकता है - **1**

(i) काले बादल राग द्वेष के

(ii) काले बादल क्लेश के

(iii) काले बादल में चाँदी की रेखा

(iv) कल के काले बादल

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए। **1x5=5**

कार्तिक की हँसमुख सुबह।
नदी तट से लौंटतीं गंगा नहाकर
सुवासित भीगी हवाएँ
सदा पावन
माँ सरीखी,
अभी जैसे मंदिरों में चढ़ाकर खुशरंग फूल
ठंड से सीत्कारती घर में घुसी हों
और सोते देख मुझको जगाती हों -
सिरहाने रख एक अंजलि फूल हरसिंगार के,
नर्म ठंडी उंगलियों से गाल छूकर प्यार से,
बाल बिखरे हुए तनिक सँवार के ......

(क) 'हँसमुख सुबह' से क्या आशय है? **1**

(i) वह भोर जो हमें प्रसन्न कर दे

(ii) वह भोर जो पक्षियों को प्रसन्न कर दे

(iii) सर्दियों की सुबह

(iv) वसंत की सुबह

(ख) 'माँ' सरीखा कौन है? **1**

(i) कार्तिक

(ii) नदी-तट

(iii) गंगा नदी

(iv) भीगी हवाएँ

(ग) 'ठंड से सीत्कारती' का अर्थ है - **1**

(i) चिल्लाती हुई

(ii) ठिठुरती हुई

(iii) आँधी के समान

(iv) ठंड से आने वाला तूफ़ान

(घ) माँ अपने बच्चे को कैसे प्यार करती है? **1**

(i) मंदिर का प्रसाद देती है

(ii) बिखरते बाल सँवारती है।

(iii) नर्म उँगुलियों से गालों को सहलाती है।

(iv) उपर्युक्त सभी

(ङ) 'सुवासित' शब्द का अर्थ है – 1

(i) खुशबू से भरी हुई

(ii) खुबसूरत

(ii) ताजगी देने वाली

(iv) ठंडक देने वाली

खंड 'ख'

5. (i) <u>सबसे तेज़ दौड़ने वाला</u> लड़का आज दौड़ में हिस्सा नहीं ले रहा है। – रेखांकित पदबंध है – 1

(क) क्रिया-विशेषण पदबंध

(ख) विशेषण पदबंध

(ग) क्रिया पदबंध

(घ) सर्वनाम पदबंध

(ii) सक्षम <u>दौड़ते हुए</u> बात कर रहा था। – रेखांकित पदबंध है – 1

(क) क्रिया पदबंध

(ख) संज्ञा पदबंध

(ग) क्रिया-विशेषण पदबंध

(घ) सर्वनाम पदबंध

(iii) <u>उपवन में</u> अनेक फूल खिले हैं। रेखांकित का पद परिचय है – 1

(क) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग

(ग) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग

(घ) पुरुषवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन

(iv) वह <u>किसे</u> देख रहा है? – रेखांकित का पद परिचय है – 1

(क) प्रश्नवाचक सर्वनाम, एकवचन

(ख) अनिश्यचवाचक सर्वनाम, एकवचन

(ग) निश्चयवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन

(घ) पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन

6. (i) 'राधा ने कहानी सुनाई और मीरा रो पड़ी।' इस संयुक्त वाक्य का मिश्र वाक्य है – 1

(क) राधा ने जैसे ही कहानी सुनाई मीरा रो पड़ी।

(ख) राधा की कहानी सुनकर मीरा रो पड़ी।

(ग) राधा द्वारा सुनाई कहानी सुनकर मीरा रो पड़ी।

(घ) मीरा रोने लगी तो राधा ने कहानी सुनाई।

(ii) 'माताजी बाजार गई। बच्चों के लिए खिलौने लाईं।' इसका संयुक्त वाक्य है – 1

(क) माताजी बाजार जाकर बच्चों के लिए खिलौने लाईं।

(ख) जब माताजी बाजार गई तब बच्चों के लिए खिलौने लाईं।

(ग) माताजी बाजार गई और बच्चों के लिए खिलौने लाईं।

(घ) माताजी ने बाजार से बच्चों के लिए खिलौने लिए।

(iii) 'आभा ने जब पुस्तक पढ़ी, तब वह बहुत खुश हुई।' रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद है - 1

(क) सरल वाक्य

(ख) मिश्र वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य

(घ) इच्छावाचक वाक्य

(iv) 'लड़का बीमार था इसलिए वह डाक्टर के पास गया।' रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद है - 1

(क) मिश्र वाक्य

(ख) प्रश्नवाचक वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य

(घ) सरल वाक्य

7. (i) निम्नलिखित में दीर्घ स्वर संधि का उदाहरण है - 1

(क) सदैव

(ख) महात्मा

(ग) प्रत्येक

(घ) सूर्योदय

(ii) 'समयोचित' का संधि-विच्छेद है - 1

(क) समय + उचित

(ख) समय + अनुचित

(ग) समय + औचित

(घ) समया + उचित

(iii) 'कृष्णोपासक' समस्त पद का विग्रह है - 1

(क) कृष्ण वाला उपासक

(ख) कृष्ण का उपासक

(ग) कृष्ण से उपासक

(घ) कृष्ण के लिए उपासक

(iv) कर्मधारय समास का उदाहरण है - 1

(क) नीलगाय

(ख) चतुर्भुज

(ग) रात-दिन

(घ) पीतांबर

8. (i) रमेश ने अपने व्यवसाय को आगे लाने के लिए .... है। उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। 1

(क) कंधे से कंधा मिलाना

(ख) कन्नी काट ली

(ग) कमर कसना

(घ) आसमान सिर पर उठाना

(ii) 'साये से भागना' मुहावरे का अर्थ है – 1

(क) डर जाना

(ख) भटक जाना

(ग) बहुत अलग या दूर रहना

(घ) सहम जाना

(iii) थोड़े पैसे क्या आ गए , अब रामदीन .... रखता। उपयुक्त लोकोक्ति से रिक्त स्थान की पूर्ति करें। 1

(क) जिसकी लाठी उसकी भैंस।

(ख) साँप मरे न लाठी टूटे

(ग) मारा-मारा घूमना

(घ) जमीन पर पैर नहीं रखना

(iv) 'मान न मान मैं तेरा मेहमान' लोकोक्ति का अर्थ है – 1

(क) बिना बुलाए मेहमान

(ख) अनचाहा मेहमान

(ग) ज़बरदस्ती गले पड़ना

(घ) न चाहते हुए भी मेहमाननवाज़ी करना

9. (i) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है 1

(क) एक कटपीस का टुकड़ा ले आइए।

(ख) एक गर्म कप कॉफी पीते जाइए।

(ग) भैंस का दूध ताकतवर होता है।

(घ) आप जैसा सज्जन व्यक्ति मैंने नहीं देखा।

(ii) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है। 1

(क) एक गीतों की पुस्तक ले आओ।

(ख) अनेक गीतों की पुस्तक ले आओ।

(ग) एक गीत की पुस्तक ले आओ।

(घ) गीतों की एक पुस्तक ले आओ।

(iii) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है – 1

(क) मुझे बहुत गुस्सा आता है।

(ख) बालक ने रोटी खाई।

(ग) तुम इसके दाम देते जाओ।

(घ) कल माताजी आ रहे हैं।

(iv) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है । 1

(क) आप हमारे घर कब आओगे ?

(ख) तुमसे यह काम नहीं हो सकता।

(ग) वे हमें क्यों पहचानेंगे।

(घ) अब हम तुम्हें कैसे समझाएं ?

खंड 'ग'

10. **निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर लिखिए।** **1x5=5**

सारे शीतल कोमल नूतन,
माँग रहे तुझसे ज्वाला-कण
  विश्व-शलभ सिर धुन कहता 'मैं,
  हाय न जल पाया तुझ में मिल!
सिहर-सिहर मेरे दीपक जल!

(i) प्रकृति के सभी तत्व दीपक से क्या माँग रहे हैं? **1**

(क) जीवन कण
(ख) प्रकाश कण
(ग) अग्नि कण
(घ) जलकण

(ii) पतंगा अपना सिर क्यों धुनता है? **1**

(क) वह जलना नहीं चाहता
(ख) वह भाग जाना चाहता है
(ग) आस्था रूपी दीपक में जलकर अमर होना चाहता है।
(घ) वह प्रेम में असफल हो गया है।

(iii) 'सारे शीतल कोमल नूतन' - किसके लिए आया है? **1**

(क) सभी कोमल फूल
(ख) जल जीव
(ग) विश्व के सभी मोहक सुंदर तत्व
(घ) पेड़-पौधे, पशु-पक्षी

(iv) 'सिहर-सिहर मेरे दीपक जल' का क्या अर्थ है? **1**

(क) भयभीत होकर जलना
(ख) विपरीत परिस्थितियों में थरथराकर जलना
(ग) दुसरों को डराते हुए जलना
(घ) धीरे-धीरे जलना

(v) यह कविता किसकी रचना है? **1**

(क) सुमित्रानंदन
(ख) महादेवी
(ग) कैफ़ी आज़मी
(घ) निदा फ़ाज़ली

अथवा

खींच दो अपने ख़ूँ से ज़मी पर लकीर
इस तरफ आने पाए न रावन कोई
तोड़ दो हाथ अगर हाथ उठने लगे
छू न पाए सीता का दामन कोई
राम भी तुम, तुम्हीं लक्ष्मण साथियों,
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों।

(i) ख़ूँ से जमीं पर लकीर खींचने' से क्या तात्पर्य है? **1**

(क) खून से लकीर खींचना।
(ख) युद्ध में मारकाट मचाना।
(ग) शहीद हो जाना।
(घ) प्राण विसर्जित करने को तैयार रहना।

(ii) 'उपर्युक्त पंक्तियों' में रावण शब्द किसके लिए आया है? **1**

(क) भ्रष्टाचारियों, रिश्वतखोरों के लिए।
(ख) दुश्मन देश को ही रावण कहा गया है।
(ग) आतंकवादियों के लिए।
(घ) रामायण का पात्र रावण।

(iii) 'सीता का दामन' अर्थात - **1**

(क) भारत-भूमी की इज्ज़त
(ख) पवित्रता
(ग) रामायण में वर्णित सीता
(घ) नारी समाज

(iv) इस कविता की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में कौन-सी घटना है? **1**

(क) भारत-पाक युद्ध
(ख) भारत-चीन युद्ध
(ग) आतंकवादी हमला
(घ) स्वतंत्रता संघर्ष

(v) किसके हाथ तोड़ने की बात कही जा रही है। **1**

(क) भ्रष्टाचारियों के
(ख) पड़ोसियों के
(ग) विरोधियों के
(घ) दुश्मन की सेना के

11. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए - **2.5X2=5**

(क) अरब में लश्कर को नूह के नाम से क्यों याद करते हैं?
(ख) 'चाजीन' ने कौन-सी क्रियाएँ गरिमापूर्ण ढग से पूरी कीं?
(ग) सवार के जाने के बाद कर्नल हक्का-बक्का क्यों रह गया?
(घ) 'गिन्नी का सोना' पाठ के संदर्भ में शुद्ध आदर्श क्या है?

12. 'कारतूस' एकांकी के आधार पर सोदाहरण सिद्ध कीजिए कि वज़ीर अली एक सच्चा देशभक्त था। 5

अथवा

ख्यूक्रिन का कथन कि 'मेरा एक भाई भी पुलिस में है.......।' समाज की किस वास्तविकता की ओर संकेत करता है।

13. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

व्यवहारवादी लोग हमेशा सजग रहते हैं। लाभ-हानि का हिसाब लगाकर ही कदम उठाते हैं। वे जीवन में सफल होते हैं, अन्यों से आगे भी जाते हैं, पर क्या वे ऊपर चढ़ते हैं। खुद ऊपर चढ़े और अपने साथ दूसरों को भी ऊपर ले चलें, यही महत्त्व की बात है। यह काम तो हमेशा आदर्शवादी लोगों ने ही किया है। समाज के पास अगर शाश्वत मूल्यों जैसा कुछ है तो वह आदर्शवादी लोगों का ही दिया हुआ है। व्यवहारवादी लोगों ने तो समाज को गिराया ही है।

(क) लेखक ने महत्त्व की बात क्या बताई है? 1

(ख) व्यवहारवादी लोग किस प्रकार के होते हैं? 2

(ग) आदर्शवादी लोग क्यों महत्त्वपूर्ण होते हैं? 2

अथवा

''तुम सही कहते हो। जनरल साहब के सभी कुत्ते महँगे और अच्छी नस्ल के हैं, और यह-ज़रा इस पर नज़र तो दौड़ाओ। कितना भद्दा और मरियल-सा पिल्ला है। कोई सभ्य आदमी ऐसा कुत्ता काहे को पालेगा? तुम लोगों का दिमाग खराब तो नहीं हो गया है। यदि इस तरह का कुत्ता मॉस्को या पीटर्सबर्ग में दिख जाता, तो मालूम है उसका क्या हश्र होता? तब कानून की परवाह किए बगैर इसकी छुट्टी कर दी जाती। तुझे इसने काट खाया है, तो प्यारे एक बात गाँठ बाँध ले, इसे ऐसे मत छोड़ देना। इसे हर हालत में मजा चखवाया जाना ज़रूरी है। ऐसे वक्त में ....''

(क) ख्यूक्रिन को काटने वाला पिल्ला किस प्रकार का था? 1

(ख) इस प्रकार के पिल्लों के साथ मॉस्को या पीटर्सबर्ग में क्या किया जाता? 2

(ग) सामान्य पिल्ला जानकर इंस्पेक्टर ख्यूक्रिन को उसके साथ कैसा व्यवहार करने के लिए कहता है? 2

14. (क) कवि ने कैसी मृत्यु को सुमृत्यु कहा है? 2

(ख) कवयित्री किसका पथ आलोकित करना चाहती है? 2

(ग) 'आत्मत्राण' कविता के द्वारा कवि क्या संदेश देना चाहता है। 1

15. 'सपनों के-से दिन' पाठ के आधार पर पी.टी.सर की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश ड़ालिए। 3

अथवा

ज़हीन होते हुए भी टोपी नवीं कक्षा में दो बार फेल क्यों हो गया। स्पष्ट कीजिए।

16. इफ़्फ़न की दादी अपने पीहर क्यों जाना चाहती थी। 2

खंड 'घ'

17. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग *100* शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए - 5

(क) वृक्षारोपण : आज की आवश्यकता

- वन कटाव, प्रदूषित वातावरण
- प्रकृति का असंतुलन,
- उपाय

(ख) वर्तमान शिक्षा प्रणाली के दोष

- परीक्षोन्मुखी शिक्षा प्रणाली
- अव्यवहारिक
- सरकार व शिक्षाविदों के कर्तव्य

(ग) मित्रता -

- मित्रता का महत्त्व
- सच्ची मित्रता
- मित्र की पहचान

18. दूरदर्शन निदेशक को शिक्षाप्रद कार्यक्रम दिखाने के संबंध में पत्र लिखिए। 5

अथवा

विद्यालय के प्रधानाचार्य को स्थानांतरण प्रमाण-पत्र के लिए आवेदन पत्र लिखिए।

- o O o -